जेडीइइ / ऐफ–5 / 2024

गर्भाशय ग्रीवा–योनि का बाहर निकलना

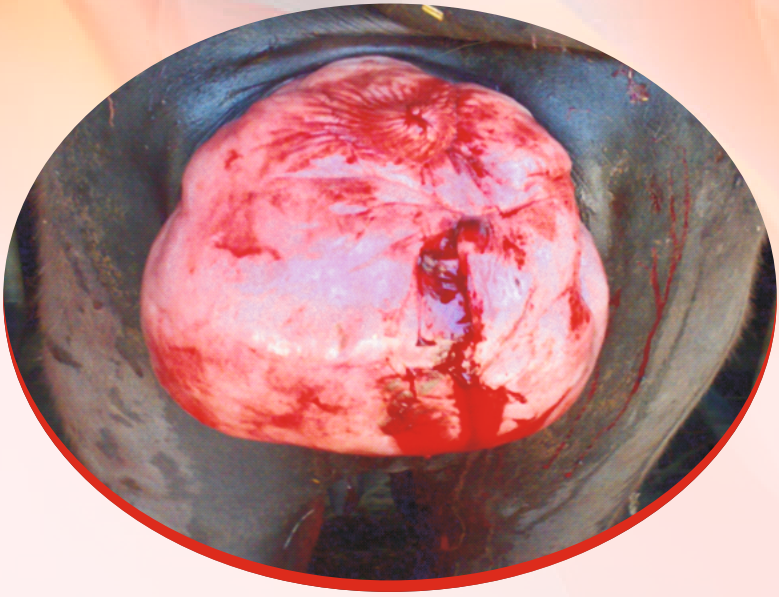

लेखक
बृजेश कुमार, उत्तम कुमार साहू, बी.के. यादव, वंदना,
मेराज हैदर खान और रूपसी तिवारी

भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर–243 122 (उ.प्र.) भारत

गर्भाशय ग्रीवा– योनि का बाहर निकलना

योनी के माध्यम से पूरी योनि या उसके कुछ भाग का बाहर निकलना योनि प्रोलैप्स कहलाता है और प्रोलैप्स जिसमें गर्भाशय ग्रीवा और लगभग पूरी योनि दोनों बाहर निकली रहती हैं उसे सर्विको–वेजाइनल प्रोलैप्स कहा जाता है। यदि, गर्भाशय ग्रीवा की सील टूट जाती है, तो सेप्टिक गर्भपात का खतरा हो सकता है। यह ज्यादातर देर से गर्भधारण (गर्भधारण के अंतिम 2 से 3 महीने) में होता है।

- आमतौर पर गायों की तुलना में भैंसों में इसकी घटनाएं अधिक होती हैं।
- गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के आकार और वजन में वृद्धि, रुमेन फैलाव, पेट की चर्बी, पेल्विक गर्डल के नरम होने आदि के कारण पेट के अंदर दबाव बढ़ने से योनि का फैलाव हो सकता है।
- यह एक वंशानुगत गुण भी है और अंतर्निहित पशु में प्रत्येक गर्भावस्था के दौरान इसके दोबारा होने की संभावना होती है।
- योनि आगे को बढ़ाव को ग्रेड में विभाजित किया गया है: I (विशेष रूप से लेटने के दौरान रुक–रुक कर आगे बढ़ना), II (निरंतर आगे बढ़ना), III (योनि का लगातार आगे बढ़ना, मूत्राशय सहित गर्भाशय ग्रीवा) या IV (आघात, संक्रमण या परिगलन द्वारा ऊतक क्षति के साथ ग्रेड II या III)।

लक्षण

- प्रारंभ में श्लेष्म झिल्ली यानी योनि के कपाल से मूत्रमार्ग तक के भाग का फर्श बाहर की ओर निकलता है।
- हालांकि गंभीर मामलों में पूरी योनि के साथ–साथ गर्भाशय ग्रीवा भी बाहर निकल सकती है।
- हल्की स्थिति मे प्रोलैप्स्ड आमतौर पर तब प्रकट होता है जब जानवर बैठता है और जब जानवर उठता है तो पीछे हट जाता है।
- गंभीर मामलों में अल्सरेशन और प्रोलैप्सड मांस का परिगलन देखा जाता है।
- गंभीर मामलों में चोट और संक्रमण के कारण जलन होती है, जिससे तनाव बढ़ जाता है और योनि, गर्भाशय ग्रीवा और यहाँ तक कि मलाशय के बाहर निकलने की जटिल स्थिति पैदा हो जाती है।
- टॉक्सिमिया, गंभीर तनाव से एनोरेक्सिया हो सकता है, शरीर की स्थिति बिगड़ सकती है और कभी–कभी पशु की मृत्यु भी हो सकती है।

निदान

गर्भाशय ग्रीवा–योनि का योनी से लटकना

इलाज

- बढ़े हुए भार का शीघ्र प्रतिस्थापन और प्रतिधारण किया जाना चाहिए।
- पशु को खड़े होने की स्थिति में रोका जाता है और तनाव को खत्म करने और टांके लगाने के लिए पेरिनेम को असंवेदनशील बनाने के लिए कॉडल एपिड्यूरल एनेस्थेसिया दिया जाता है।
- बाहर निकले हुए भार को नल के साफ पानी या गैर–उत्तेजक एंटीसेप्टिक से साफ किया जाता है और हाथ की हथेली से वापस रख दिया जाता है।
- ऊतक को आघात न पहुंचे इसका अत्यधिक ध्यान रखा जाना चाहिए।
- उभरे हुए भाग को हल्के मामलों में योनी और पेरिनियल त्वचा को टेप या मजबूत नायलॉन सीकर/बांधकर बनाए रखा जाता है।
- रबर ट्यूबिंग के ऊपर बांधे गए क्विल टांके ने भी अच्छे परिणाम दिए हैं।
- हल्के तनाव को कॉडल एपिड्यूरल एनेस्थीसिया द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हालाँकि, गंभीर अवरोध और जलन की स्थिति में सिवनी फट सकती है और आगे की ओर खिसक सकती है।
- गंभीर मामलों में पेरिनियल त्वचा के कुछ हिस्से को शामिल करते हुए योनि के होठों पर क्षैतिज गद्दे द्वारा प्रतिधारण प्राप्त किया जाता है।
- यदि गर्भावस्था या प्रसव के बिना बार–बार योनि का फैलाव होता है, तो योनी का आंशिक सर्जिकल अवरोधन किया जाता है। इस विधि में पशु को कॉडल एपिड्यूरल एनेस्थीसिया दिया जाता है और श्लेष्म झिल्ली की पट्टी (1.2 सेमी चौड़ी) को वल्वर लिप के ऊपरी तीन चौथाई भाग से विच्छेदित किया जाता है। फिर उस क्षेत्र को गैर–अवशोषित करने योग्य टांके से सिल दिया जाता है।

रोकथाम एवं नियंत्रण

- अच्छे पाचक आहार के साथ–साथ संतुलित आहार दे ।
- बाध के आहार खिलाने वाले जानवरों को नियमित व्यायाम कराएं।
- जानवरों को खुद चरने के लिए कुछ समय के लिए छोड़ दें।

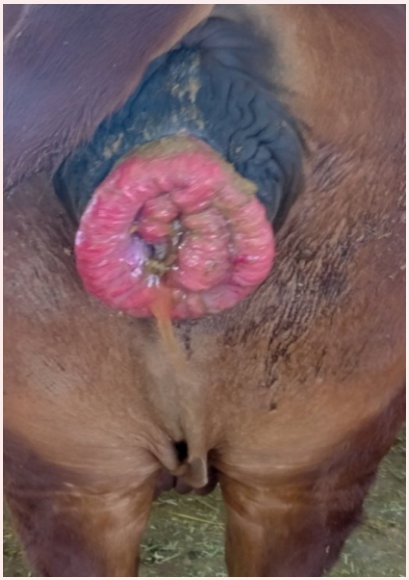

गाय में बाहर निकला हुआ गर्भाशय ग्रीवा-योनी (उपचार से पहले)

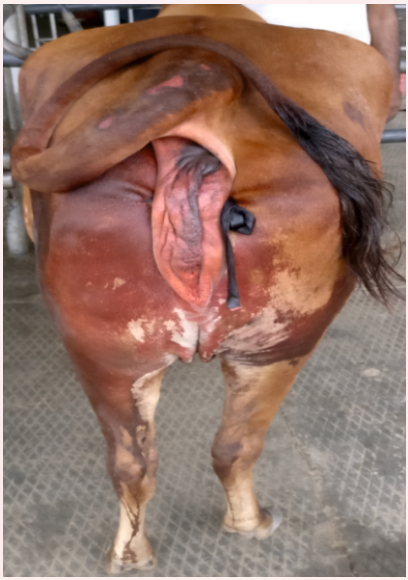

गर्भाशय ग्रीवा-योनी का अपने स्थान पर (उपचार के बाद)

भैंस में बाहर निकला हुआ गर्भाशय ग्रीवा-योनी (उपचार से पहले)

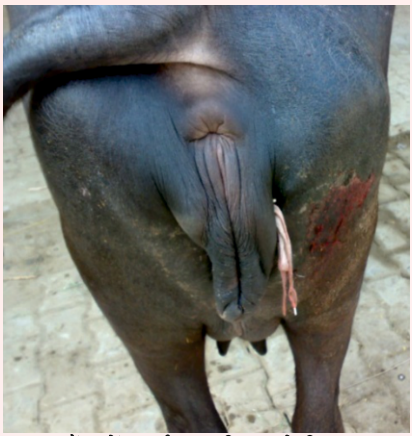

भैंस में गर्भाशय ग्रीवा-योनी का अपने स्थान पर (उपचार के बाद)

संरक्षण एवं निर्देशन	:	**डॉ. रूपसी तिवारी**
सम्पादक	:	**डॉ. अखिलेश कुमार**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, औषधि विभाग **डॉ. रुपसी तिवारी**, संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा
प्रकाशक	:	**डॉ. त्रिवेणी दत्त**, निदेशक एवं कुलपति, भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर
संस्करण	:	2024
मुद्रक	:	बाइट्स एण्ड बाइट्स, बरेली